भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1836

सोमवार, 10 मार्च, 2025/19 फाल्गुन, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

इको टूरिज्म पर ग्लेशियर संकुचन का प्रभाव

1836. श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उत्तराखंड में हिमनदों के संकुचन से इको-पर्यटन और ट्रेकिंग गतिविधियों पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन किया है;

(ख) यदि हां, तो उक्त क्षेत्र में पर्यटन उद्योग के समक्ष कौन-कौन सी संभावित चुनौतियां हैं;

(ग) क्या सरकार द्वारा इन चुनौतियों से निपटने के लिए जलवायु हितैषी पर्यटन उपाय किए जा रहे हैं; और

(घ) सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन के संबंध में पर्यटकों को संवेदनशील बनाने और संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण में उनकी भूमिका के लिए उठाई जा रही विशेष पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने उत्तराखंड में इको-पर्यटन और ट्रेकिंग गतिविधियों पर हिमनदों के संकुचन के प्रभाव का आकलन करने के लिए कोई अध्ययन नहीं किया है।

उत्तराखंड सहित देश में इको-पर्यटन के विकास को गति प्रदान करने के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने इको-पर्यटन के विकास के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति तैयार की है।

सतत पर्यटन के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने और पर्यटकों तथा पर्यटन व्यवसायों को प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने वाले सतत अभ्यासों को अपनाने हेतु प्रेरित करने के लिए ट्रैवल फॉर लाइफ (टीएफएल) कार्यक्रम शुरू किया गया था। इससे पर्यटक सरल कार्य करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण, जैव विविधता का संरक्षण, स्थानीय अर्थव्यवस्था में सुधार और स्थानीय समुदायों की सामाजिक-सांस्कृतिक अखंडता का संरक्षण होता है। इसका उद्देश्य पर्यटन मूल्य श्रृंखला में हितधारकों को संसाधनों का सोच-समझकर और विवेकपूर्ण उपयोग करने के लिए प्रेरित करना है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत पर्यटन अवसंरचना के विकास से संबंधित विषयों में से एक विषय के रुप में इको-सर्किट की पहचान की है। स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के नाम से नया रूप प्रदान किया गया है, जिसका उद्देश्य पर्यटक और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण के साथ टिकाऊ और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों का विकास करना है। यह योजना पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता और आर्थिक स्थिरता सहित टिकाऊ पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। दिशानिर्देशों के अनुसार और राज्यों और संघ राज्यक्षेत्र की सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों/विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के आधार पर केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

इस योजना के अंतर्गत, उत्तराखंड के गुंजी में ग्रामीण पर्यटन क्लस्टर अनुभव नामक परियोजना को मंजूरी दी गई है।

*****